बिहार विधान सभा वादवृत्त

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बुधवार, तिथि ३० सितम्बर, १९५३ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प सचना प्रश्नोत्तर।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

जंगल में मवेशी अस्पताल।

*९६। श्री कामता प्रसाद गुप्त—क्या मंत्री, पशु-चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि सहरसा जिले के किशनपुर, निर्मली, सुपौल, धरहरा और भीमनगर थानाओं के जंगली भागों में अधिकतर लोग पशुपालन पर ही अपनी जीविका निर्भर करते हैं;

(ख) यदि खंड (क) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार यह बतायेगी कि वहां हजारों पशु उपयुक्त चिकित्सा के अभाव में बीमारी के कारण मर जाते हैं;

(ग) यदि खंड (ख) का उत्तर हां में है, तो सरकार द्वारा उक्त थानाओं के जंगली भागों में पशु-चिकित्सा के लिये चलता-फिरता पशु-अस्पताल अथवा अन्य सुविधाजनक प्रबंध के लिये कौन-सा उपाय किया जा रहा है?

श्री दीप नारायण सिंह—(क) यह बात सही है कि इस इलाके में लोग काफी पशु पालते हैं।

(ख) हजारों की संख्या में पशुओं के मरने की जानकारी सरकार के पास नहीं है।

(ग) चलता-फिरता अस्पताल खोलने के लिये अभी सरकार के सामने कोई प्रस्ताव नहीं है। प्रत्येक थाने में एक अस्पताल खोलने की योजना सरकार ने बनायी है। जब इस योजना के अनुसार अस्पताल खोले जायेंगे तो इस क्षेत्र की जरूरत पर भी ध्यान दिया जायगा। जब कभी महामारी की सूचना मिलती है वहां पर चिकित्सक भेजे जाते हैं।

श्री अनाथ कांत बसु—उस इलाके में ३ या ४ थाने पर भी एक अस्पताल पशुओं के लिये नहीं है तो जब तक हरेक थाने में सरकार की ओर से अस्पताल नहीं खुल जाते हैं तब तक सरकार वहां के पशुओं की चिकित्सा के लिये क्या इंतजाम कर रही है?

श्री दीप नारायण सिंह—यह बात ठीक है कि वहां पर ३ या ४ थानों पर एक पशु-अस्पताल है और पशुओं की संख्या के अनुपात से अस्पतालों की संख्या बहुत कम है और इसी को ख्याल में रख कर, और अधिक पशु-अस्पताल खोलने के लिये सरकार की ओर से योजना बनी है। जब तक हरेक थाने में पशुओं के लिये अस्पताल नहीं खुल जाते हैं तब तक किसी भी डाक्टर को उसके इलाके से बाहर चिकित्सा करने के लिये भेजने में बड़ी कठिनाई है।

---

*सदस्य की अनपस्थिति में कुमार रघुनन्दन प्रसाद के अनुरोध से उत्तर मिला।

छरकी (फरस) बनवा कर बाढ से होने वाली नुकसानी से रक्षा का उपाय कर रही हैं ;

(ख) क्या उस छरकी (फरस) में जगह-जगह स्लूइस गेट भी लगेंगे, यदि नहीं, तो क्यों ;

(ग) क्या इस तरह की सरकार के पास कोई योजना है या नहीं, यदि नहीं, तो क्या सरकार शीघ्र इस तरह की योजना बनवा कर बाढ से होने वाले भयंकर नुकसानी से जनता को बचाने का विचार करेगी ?

श्री रामचरित्र सिंह—(क) अधवारा नदी की योजनाओं के अन्तर्गत जमुड़ा नदी के किनारों पर बांध बनाने का प्रश्न स्थानीय अधिकारियों के विचाराधीन है।

(ख) यदि किनारों पर बांध बनाने का निश्चय किया जायगा तो उचित स्थानों पर स्लूइस तथा मोरियों का प्रबंध भी अवश्य किया जायगा।

(ग) इस संबंध में अधवारा योजना अभी स्थानीय कार्यालयों में तैयार की जा रही है।

TRANSFER OF D. V. C. HEADQUARTERS FROM CALCUTTA TO RANCHI.

*625. **Shri CHANDRA SEKHAR SINGH :** Will the Irrigation Minister be pleased to state—

(*a*) what steps have been taken by Government regarding the transfer of the D. V. C. headquarters from Calcutta to Ranchi as recommended by the Assembly and the Council in resolutions passed in the last session ;

(*b*) do Government propose to represent its case strongly in the inter state conference regarding the D. V. C. which is shortly going to be held at Delhi ?

Shri RAMCHARITRA SINHA : (*a*) The Government of India have been apprised of the strong public feeling in Bihar for the transfer of D. V. C. headquarters from Calcutta to Ranchi and also of the adoption of a resolution to that effect in the Legislature in the session. The State Government are taking all possible steps to impress upon the D. V. C. the desirability of early implementation of their own resolution to locate their headquarters to Ranchi.

(*b*) The answer is in the affirmative.

श्री चन्द्रशेखर सिंह—मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि डी० वी० सी० में जो हमारी सूबाई सरकार के प्रतिनिधि हैं उन्होंने इस संबन्ध में क्या कारंवाई की है ?

श्री रामचरित्र सिंह—हमारे प्रतिनिधि तो अभी चेयरमैन हैं। डी० वी० सी० का प्रस्ताव है कि रांची में हेडक्वार्टर होगा। इससे सबन्धित बहुत से फैक्टर्स हैं इसलिए कार्यान्वयन नहीं हो रहा है।

श्री चन्द्रशेखर सिंह—मैं जानना चाहता हूं कि असेम्बली में जो प्रस्ताव पास हुआ वह हमारे प्रतिनिधि को दिया गया या नहीं ?

श्री रामचरित्र सिंह—जिनको खबर देनी थी उन सभी लोगों को खबर दी गयी।

श्री चन्द्रशेखर सिंह—खबर देने के बाद स्थिति में कोई परिवर्तन हुआ या नहीं ?

श्री रामचरित्र सिंह—इसका जवाब नहीं दे सकते हैं।

श्री चन्द्रशेखर सिंह—क्यों इसका जवाब नहीं दे सकते हैं ?

अध्यक्ष—आप समझ लें कि परिवर्त्तन नहीं हुआ है।

श्री चन्द्रशेखर सिंह—यही तो हम गवर्नमेंट से सुनना चाहते थे।

Shri PURUSHOTTAM CHOUHAN : I want to know what steps have been taken by Government to give effect to these resolutions ?

Shri RAMCHARITRA SINHA : We are pressing both the Central Government and the D. V. C. to bring the headquarters of D. V. C. to Ranchi.

श्री सुखलाल सिंह—क्या सरकार को मालूम है कि रांची में डी० वी० सी० के हेडक्वार्टर बनाने के लिये कुछ जमीन खरीदी गई थी और वह जमीन बेची गयी है ?

श्री रामचरित्र सिंह—जमीन खरीदी गयी है इसकी खबर मुझे है लेकिन बेची गयी है इसकी खबर मुझे नहीं है।

श्री सुखलाल सिंह—मुझे खबर है कि वह जमीन बेची गई है।

श्री रामचरित्र सिंह—उसको मैं देखूंगा।

बेलिया पैन से कटी हुई जमीन के लिये मुआवजा।

*१२६। श्री चन्द्रशेखर सिंह—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) जमुई सबडिवीजन के अन्तर्गत बेलिया पैन तथा गिद्धेश्वर पैन से जिनकी जमीन कट गयी है, उन्हें मुआवजा देने के लिये क्या रकम रक्खी गई है ;

(ख) मुआवजा किस प्रकार से दिया जायगा ;

(ग) मुआवजा देने का काम कब शुरू होगा ?